ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 22 अप्रैल 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 19

ED जांच में दखल पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा—CM का ऐसा कदम लोकतंत्र के लिए खतरा

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ने प्रवर्तन निदेशालय की जांच में कथित हस्तक्षेप को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को I-PAC रेड से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि किसी भी मुख्यमंत्री द्वारा जांच एजेंसी के काम में दखल देना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह मामला केंद्र और राज्य के बीच टकराव का नहीं, बल्कि संस्थागत मर्यादा और संवैधानिक सीमाओं का है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि संविधान निर्माण के समय किसी ने यह कल्पना नहीं की होगी कि कोई मुख्यमंत्री खुद जांच के दौरान मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप करेगा। दरअसल, 8 जनवरी को इनफोर्समेंट डायरेक्टरेट ने इंडियन पोलिटिकल एक्शन कमेटी आई पेक के सह-संस्थापक Prateek Jain के कोलकाता स्थित आवास और कार्यालय पर छापा मारा था। आरोप है कि इसी दौरान ममता बनर्जी वहां पहुंचीं और कुछ दस्तावेज अपने साथ ले गईं। ED ने इसे जांच में बाधा बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

ममता पक्ष की दलीलें

मुख्यमंत्री की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में तर्क रखा कि ED को जांच करने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है, बल्कि यह उसका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि किसी अधिकारी द्वारा ड्यूटी निभाना मौलिक अधिकार के उल्लंघन का विषय नहीं बनता।

कोर्ट की प्रमुख टिप्पणियां

सुनवाई के दौरान अदालत ने कई अहम बिंदुओं पर टिप्पणी की— किसी एक व्यक्ति के कृत्य को पूरे सिस्टम का विवाद नहीं बनाया जा सकता। केवल कानूनी सिद्धांतों पर निर्भर रहने के बजाय जमीनी हकीकत को भी देखना जरूरी है। समय के साथ संविधान की व्याख्या बदलती है और नए हालात में नए दृष्टिकोण अपनाने पड़ते हैं।

I-PAC दफ्तर बंद, चुनावी असर की आहट

इसी बीच कोलकाता के विधाननगर स्थित I-PAC का दफ्तर 20 अप्रैल से बंद बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, करीब 1300 कर्मचारियों को काम पर न आने के निर्देश दिए गए हैं। यह घटनाक्रम राज्य में चल रही चुनावी प्रक्रिया के बीच सामने आया है, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

सोना 239 गिरकर 1.52 लाख पर आया:चांदी 1,831 सस्ती, 2.48 लाख पर आई; इस साल सोना 19 हजार महंगा हुआ

24 न्यूज अपडेट

सोना-चांदी के दाम में आज यानी 22 अप्रैल को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 239 रुपए गिरकर 1,52,116 रुपए पर आ गया है। इससे पहले 21 अप्रैल को इसकी कीमत 1,52,355 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं एक किलो चांदी 1,831 रुपए गिरकर 2,48,682 रुपए पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2,50,513 रुपए प्रति किलो थी।

फर्नीचर शॉप में घुसकर हंगामा, 'बकरी' के बहाने पत्थरबाजी; 15-20 बदमाशों ने मचाया उत्पात

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। शहर में कानून-व्यवस्था को चुनौती देती एक घटना में बुधवार दोपहर किला रोड स्थित जेपी फर्नीचर शॉप पर कुछ युवकों ने धावा बोलकर जमकर तोड़फोड़ और हंगामा किया। आरोपियों ने दुकान में बकरी बांधने का आरोप लगाते हुए विवाद खड़ा किया और देखते ही देखते मामला पत्थरबाजी और मारपीट की कोशिश तक पहुंच गया। घटना के बाद इलाके में दहशत और व्यापारियों में आक्रोश फैल गया। दुकान मालिक जेपी वंगानी के अनुसार, दोपहर के समय एक युवक नशे की हालत में दुकान के पीछे की ओर से आया और गाली-गलौज करने लगा। पहले उसे नजरअंदाज किया गया, लेकिन कुछ ही देर में वह दुकान के भीतर घुस आया। बाहर जाने के लिए कहने पर वह उग्र हो गया और पत्थर फेंकने लगा। इसके बाद उसने अपने साथियों को बुला लिया। कुछ ही मिनटों में 5 से शुरू हुआ यह समूह बढ़कर 15-20 लोगों तक पहुंच गया। आरोपियों ने दुकान के कांच पर पत्थरबाजी की, हालांकि मजबूत शीशे होने के कारण वे टूट नहीं सके। सीसीटीवी फुटेज में बदमाश लाठी-सरिए जैसे हथियारों के साथ दुकान में घुसते और उत्पात मचाते नजर आ रहे हैं। दुकान में मौजूद कर्मचारियों के साथ मारपीट की कोशिश भी की गई। हमलावरों ने जान से मारने की धमकी दी और सामान उठाकर हमला करने का प्रयास किया। स्टाफ ने किसी तरह खुद को बचाया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। घटना के दौरान आरोपी 'बकरी' को दुकान में बांधकर रखने का आरोप लगाते रहे, जबकि दुकान मालिक ने इसे पूरी तरह झूठा और मनगढ़ंत बताया। वंगानी ने कहा कि वे आरोपियों को पहचानते तक नहीं हैं और यह विवाद केवल माहौल बिगाड़ने के उद्देश्य से खड़ा किया गया। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी आरोपी फरार हो चुके थे। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। घटना के बाद व्यापारियों में गहरा रोष है। व्यापार महासंघ के जिला अध्यक्ष सुनील जागेटिया ने कहा कि इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे व्यापारियों में भय का माहौल है। उन्होंने इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने की मांग की है।

सेंसेक्स 757 अंक गिरकर 78,516 पर बंद:निफ्टी भी 199 अंक गिरकर 24,378 पर आया; आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली

22 अप्रैल, 2026

सेंसेक्स @ क्लोज

24 न्यूज अपडेट

सेंसेक्स आज यानी बुधवार, 22 अप्रैल को 757 अंक (0.95%) की गिरावट के साथ 78,516 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 199 अंकों (0.81%) की गिरावट रही, ये 24,378 पर आ गया। आज के कारोबार में FMCG और मीडिया शेयरों में खरीदारी रही, जबकि आईटी में सबसे ज्यादा बिकवाली देखी गई।

फर्जी डिग्री कांड में बड़ी कार्रवाई: डूंगरपुर के 8 पीटीआई शिक्षक बर्खास्त

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। फर्जी डिग्री के सहारे सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में माध्यमिक शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले के आठ शारीरिक शिक्षकों (पीटीआई) को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया है। यह सभी शिक्षक वर्ष 2022 की पीटीआई भर्ती परीक्षा के जरिए नियुक्त हुए थे और जांच में इनके दस्तावेज फर्जी पाए गए। जिला शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार जोशी ने बुधवार को आदेश जारी कर बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित भर्ती प्रक्रिया में कुछ अभ्यर्थियों की पात्रता संदिग्ध पाई गई थी। गहन जांच के दौरान इन शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत की गई डिग्रियां और दस्तावेज अमान्य व फर्जी पाए गए। इसके बाद विभागीय निर्देशों के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए सभी को सेवा से पृथक कर दिया गया। जांच में सामने आया कि संबंधित शिक्षकों ने उत्तर प्रदेश स्थित जेएस यूनिवर्सिटी से डिग्री प्राप्त कर नौकरी हासिल की थी, जो सत्यापन में सही नहीं पाई गई। ये सभी शिक्षक जिले के विभिन्न उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत थे। बर्खास्त किए गए शिक्षक व पदस्थापन स्थान: गणेशलाल पाटीदार (पिता मणीलाल) – राउमावि गलालपुरा यशवंत पाटीदार (पिता खीमजी) – राउप्रावि जसपुर झापका धर्मिष्ठा पाटीदार (पिता ओमप्रकाश पाटीदार) – राउप्रावि तंबोलिया निलेश कुमार पाटीदार (पिता मोहनलाल) – राउप्रावि डामोर फला अनिल पाटीदार (पिता भगवानलाल) – राउप्रावि छोटा फला गुंडलारा प्रकाश चन्द्र भोई (पिता भंवरलाल) – राउप्रावि लालपुरा यशपाल सिंह राणावत (पिता मनोहरसिंह) – राउप्रावि गडाएकलिंगजी राहुल पाटीदार (पिता कान्तिलाल) – राउप्रावि राठड़ी

कार सलूंबर के व्यक्ति के नाम, जयपुर में फर्जी नेमप्लेट पर लिखवाया 'विधायक', पुलिस ने उतारा सुरूर

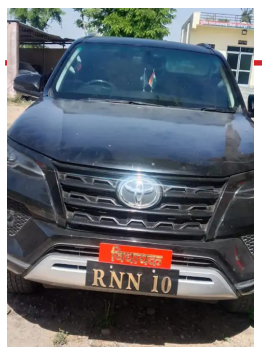

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजधानी में वीआईपी कल्चर का दिखावा करने की कोशिश एक बार फिर ट्रैफिक पुलिस की सख्ती के आगे धरी रह गई। हाथोज इलाके में मंगलवार शाम चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक कार को जब्त किया, जिस पर अवैध रूप से "विधायक" लिखी नेमप्लेट और प्रतिबंधित ब्लैक फिल्म लगी हुई थी। मामले में ड्राइवर द्वारा रौब झाड़ने से लेकर रिश्वत देने तक की कोशिशें सामने आईं। चेकिंग के दौरान हेड कॉन्स्टेबल धारासिंह ने संदिग्ध कार को रोका। पूछताछ में ड्राइवर श्याम (निवासी झोटवाड़ा) ने दावा किया कि यह गाड़ी किसी विधायक की है और उसे तुरंत जाने दिया जाए। हालांकि धारासिंह ने साफ कर दिया कि वे संबंधित विधायक और उनकी अधिकृत गाड़ी को भलीभांति पहचानते हैं, क्योंकि वह रोज इसी मार्ग से गुजरती है। इसके बाद ड्राइवर की बातों पर संदेह गहरा गया।

रिश्वत का ऑफर, फिर दबाव बनाने की कोशिश

जब 'विधायक' का नाम काम नहीं आया, तो ड्राइवर ने मामला दबाने के लिए पुलिसकर्मी को 20 हजार रुपए की रिश्वत देने की पेशकश की। मना करने पर एक अन्य व्यक्ति मौके पर पहुंचा और कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए दबाव बनाने लगा। उसने यहां तक कह दिया—"गाड़ी जब्त करके कौन सा कलेक्टर बन जाओगे।"

जांच में खुला फर्जीवाड़ा

दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि कार का रजिस्ट्रेशन नंबर RNN 10 है और यह सलुंबर निवासी तुषार के नाम दर्ज है। यानी वाहन का किसी विधायक या उनके कार्यालय से कोई लेना-देना नहीं था। ड्राइवर केवल अवैध वीआईपी सुविधा लेने और पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए फर्जी नेमप्लेट का इस्तेमाल कर रहा था।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए हेड कॉन्स्टेबल धारासिंह ने तत्काल ट्रैफिक सीआई कविता शर्मा को सूचना दी। उनके निर्देश पर कार को जब्त कर कालवाड़ थाने भिजवा दिया गया। कालवाड़ थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि वाहन को थाने में खड़ा कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। मामले में संबंधित विधायक बालमुकुंद आचार्य ने भी स्पष्ट किया कि आरोपी से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस की ओर से उन्हें सूचना मिली थी, लेकिन वाहन या व्यक्ति से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

ऑनलाइन गेमिंग के नए नियम 1-मई से लागू होंगे:गेमिंग-सर्टिफिकेट अब 10 साल तक वैलिड रहेगा; बिना पैसे वाले गेम्स को रजिस्ट्रेशन से छूट

24 न्यूज अपडेट

केंद्र सरकार ने देश में ऑनलाइन गेमिंग को रेगुलेट करने के लिए ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया (OGAI) के गठन का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। यह नई व्यवस्था ऑनलाइन गेमिंग रेगुलेशन एक्ट-2025 के तहत 1 मई से पूरे देश में प्रभावी हो जाएगी।

नए नियमों के तहत गेमिंग कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए सर्टिफिकेट की वैलिडिटी को दोगुना कर दिया गया है। आईटी सचिव एस. कृष्णन ने बताया कि सरकार ने गेमिंग इंडस्ट्री के लिए लाइट-टच रेगुलेटरी अप्रोच अपनाई है, ताकि स्टार्टअप्स और डेवलपर्स पर बेवजह का बोझ न पड़े।

सर्टिफिकेट की वैलिडिटी 5 से बढ़कर 10 साल हुई

नए नियमों के तहत सबसे बड़ा बदलाव ऑनलाइन गेम्स के सर्टिफिकेशन को लेकर किया गया है। अब किसी भी गेम को मिलने वाले सर्टिफिकेट की वैलिडिटी 5 साल के बजाय 10 साल होगी। इससे गेम डेवलपर्स को बार-बार रिन्यूअल की प्रोसेस से नहीं गुजरना होगा। सरकार का मानना है कि इससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा।

राजस्थान में 7 दवाइयां अमानक घोषित, बिक्री पर तत्काल रोक, एंटीबायोटिक, खांसी सिरप और गठिया की दवाएं शामिल; ड्रग कंट्रोल विभाग की सख्त कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान ड्रग कंट्रोल विभाग ने दवाइयों की गुणवत्ता पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 अलग-अलग कंपनियों की दवाइयों को जांच में अमानक (सब-स्टैंडर्ड) पाया है। इनमें बैक्टीरियल इंफेक्शन, खांसी और गठिया जैसे रोगों में उपयोग होने वाली महत्वपूर्ण दवाइयां शामिल हैं। विभाग ने इन दवाओं की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं। 1 से 15 अप्रैल के बीच प्रदेश के विभिन्न स्थानों से दवाइयों के सैंपल लिए गए थे। जांच रिपोर्ट आने पर 7 दवाइयों के नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। इनमें से कुछ दवाएं गंभीर बीमारियों के इलाज में उपयोग होती हैं, ऐसे में उनकी गुणवत्ता में कमी चिंता का विषय है। अमानक पाई गई दवाइयों में बैक्टीरियल संक्रमण के इलाज में उपयोग आने वाली दवाएं, एक एंटीबायोटिक, खांसी की सिरप और गठिया रोग में काम आने वाली दवा शामिल है। विभाग ने संबंधित कंपनियों के स्टॉक को बाजार से हटाने और आगे बिक्री नहीं करने के निर्देश दिए हैं।

ये दवाइयां पाई गईं अमानक:

मैसर्स लार्क लेबोरेट्रीज (इंडिया) लिमिटेड, भिवाड़ी (अलवर) द्वारा निर्मित 'लोरामिक्स सिरप' (सेफिक्साइम ओरल सस्पेंशन) – बैक्टीरियल इंफेक्शन के इलाज में उपयोगी

मैसर्स अफ्फी पेरेंटरल, सोलन (हिमाचल प्रदेश) की 'एल्बेंडाजोल टैबलेट' – पेट के कीड़ों के उपचार में उपयोग

मैसर्स डिजीटल मिशन व मैसर्स अक्कोवैल फार्मा प्रा.लि. की 'आईसटोकफ-LS' (एम्ब्रोक्सोल, लेवोसल्बुटामोल, गुआइफेनेसिन) – खांसी व कफ के लिए

मैसर्स यूनाइटेड बायोस्युटिकल्स प्रा. लि., हरिद्वार की

मिथाइलप्रेडनिसोलोन-4' – सूजन व गठिया रोग में उपयोगी स्टेरॉयड

मैसर्स टक्सा लाइफसाइंसेज प्रा. लि., मोहाली (पंजाब) की 'ओकुफ-DX' (डेक्स्ट्रोमेथॉर्फन, क्लोरफेनिरामाइन) – सूखी खांसी के इलाज में

मैसर्स VADSP फार्मास्युटिकल्स, बद्दी (हिमाचल प्रदेश) की 'एक्सटेंसिव-500' (सेफुरोक्सिम एसेटिल) – बैक्टीरियल इंफेक्शन के उपचार में

मैसर्स ओमेगा फार्मा, हरिद्वार की 'सिप्रोफ्लोक्सासिन 500' – एंटीबायोटिक दवा

ड्रग कंट्रोल विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे डॉक्टर की सलाह से ही दवाइयों का उपयोग करें और संदिग्ध दवाओं की जानकारी तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य विभाग को दें। विभाग की टीम बाजार में उपलब्ध स्टॉक की निगरानी कर रही है और आवश्यकतानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

संपादकीय : शांति के लिए

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद करीब एक पखवाड़े पहले बहुत मुश्किल से दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। फिर दोनों पक्षों के बीच बातचीत की शुरुआत से यह उम्मीद जगी कि वे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने पर राजी हो जाएंगे। मगर आज युद्धविराम की अवधि पूरी होने के बाद भी जैसे हालात दिख रहे हैं, उसमें ईरान और अमेरिका के तेवर समाधान की संभावना के सामने एक बड़ी चुनौती हैं। दूसरी ओर, इस युद्ध के नतीजे में उपजी विकट और जटिल होती परिस्थितियों के बीच ये सवाल उठने लगे हैं कि आखिर अमेरिका- इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध का हासिल क्या होगा और उसका खमियाजा दुनिया के कितने देशों को कब तक भुगतना पड़ेगा। खासतौर पर होर्मुज जलमार्ग को बाधित किए जाने के बाद बहुत सारे देशों में जिस तरह प्राकृतिक गैस और तेल का जैसा संकट खड़ा हो गया है, उसे देखते हुए स्वाभाविक ही यह मांग उठने लगी है कि अमेरिका और ईरान का रुख चाहे जो हो, उन्हें वैश्विक हित में खुद को नरम करना चाहिए और किसी भी तरह से युद्ध खत्म हो। यह छिपा नहीं है कि इजराइल और अमेरिका के हमले की प्रतिक्रिया में ईरान ने जब होर्मुज जलमार्ग को रोक दिया, तब से भारत सहित दुनिया के कई देशों में प्राकृतिक गैस और तेल की आपूर्ति व्यापक पैमाने पर बाधित हुई है और वहां का जनजीवन बुरी तरह बाधित हुआ है। ये देश युद्ध में शामिल नहीं हैं, लेकिन उसकी मार से पीड़ित हैं। दरअसल, होमूंज जलमार्ग के जरिए दुनिया के अलग-अलग देशों में बीस फीसद से ज्यादा ऊर्जा की आपूर्ति होती है। मगर जब से इस मार्ग को बाधित किया गया है, लगभग सभी प्रभावित देशों में लोग न केवल रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल के संकट का सामना कर रहे हैं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों के सभी सामान के महंगे होने का दंश भी झेल रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत भी हुई, मगर वह आखिर विफल रही। अब वैश्विक स्तर पर यह उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को खत्म करने के लिए फिर से बातचीत आगे बढ़े। अफसोस की बात यह है कि एक ओर अमेरिकी नौसेना की ओर से ईरानी जहाज जब्त करने से लेकर बुद्धविराम खत्म होने के बाद ईरान पर ढेरो बम गिराने के ट्रंप की धमकी सामने आ रही है, तो दूसरी ओर अमेरिकी हरकतों को युद्धविराम का उल्लंघन बताते हुए ईरान ने भी वार्ता के अगले दौर में हिस्सा लेने को लेकर अनिच्छा जाहिर की है। सवाल यह है कि युद्धविराम पर सहमत होने के बावजूद अमेरिका की ओर से ऐसे आक्रामक बयान क्यों जारी किए जा रहे हैं और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत को आगे बढ़ाने के प्रति गंभीरता क्यों नहीं दिखाई जा रही है। इस तरह के तीखे तेवरों का हासिल यह सामने आ रहा है कि रविवार को भी कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया। इसके अलावा भी ईरान सहित खाड़ी देशों के तेल ठिकानों पर जिस पैमाने के हमले हुए हैं, उनका असर वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ना तय है। इससे ज्यादा त्रासद यह है कि इस सबका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा, जिससे उबरना सभी देशों के लिए चुनौती साबित हो सकता है। एक तरह से स्पष्ट और दूरगामी विपरीत प्रभाव की आशंका के बावजूद युद्ध की स्थिति को बनाए रखने का क्या औचित्य है ?"

हिंसा के पांव

देश में पिछले कुछ वर्षों से मामूली विवाद पर हत्या कर देने की वारदात तेजी से बढ़ी हैं, जो न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौतियां पैदा कर रही हैं, बल्कि सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों के गिरते स्तर और बढ़ती असहिष्णुता को भी उजागर करती हैं। सवाल है कि पानी, पार्किंग, पैसों के लेन-देन और नोकझोंक जैसी छोटी-छोटी बातों पर किसी की जान ले लेना किस तरह के मानस को दर्शाता है। जिन विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से बातचीत के जरिए आसानी से सुलझाया जा सकता है, आखिर वे किसी की हत्या कर देने का कारण कैसे बन जाते हैं? यह स्थिति वास्तव में चिंताजनक है कि अपराध को अंजाम देने वालों के चेहरे पर न तो कानून का खौफ नजर आता है और न ही उनके भीतर मानवीय संवेदना शेष होती हैं। दिल्ली के प्रीत विहार में रविवार देर रात ऐसी ही एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब वाहन खड़ा करने को लेकर हुए विवाद में एक कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, हालांकि बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि मामूली कहासुनी से शुरू हुए विवाद में हत्या कर देने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रपट के अनुसार, देश भर में वर्ष 2022 में हत्या के करीब दस हजार मामले सामने आए, जिनमें से ज्यादातर मामलों में हत्या की वजह मामूली विवाद था। सवाल है कि इस हिंसक होती मानव प्रवृत्ति का स्रोत क्या है ? किसी विवाद को बातचीत से सुलझाने का विवेक मानव स्वभाव से दूर क्यों होता जा रहा है। खबरों के मुताबिक, प्रीत विहार की घटना में कारोबारी ने अपने आवास के सामने वाहन खड़ा करने पर आपत्ति जताई थी। क्या यह इतना गंभीर मामला था कि बात हत्या तक पहुंच गई ! इस घटना ने देश की राजधानी में कानून व्यवस्था पर भी फिर से सवाल खड़े किए हैं। अगर शहर की सड़कों पर लोग घातक हथियार लेकर घूमते हैं, तो इसमें सुरक्षा एजंसियों की निष्क्रियता और लापरवाही साफ नजर आती है। जाहिर है कि कानूनी तौर पर सतर्कता और सख्ती बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी मानवीय मूल्यों के क्षरण को रोकना होगा, तभी हिंसा के मानस को बदला जा सकता है।

'विद्या प्रचारिणी सभा' विवाद : तालंबंदी का 7वां दिन, कलेक्टर तक गूंजा विवाद, भूपालपुरा थानाधिकारी पर दबाव में काम करने का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर की 104 वर्ष पुरानी शैक्षणिक संस्था विद्या प्रचारिणी सभा में चल रहा प्रबंधन विवाद बुधवार को और तेज हो गया, जब एडहॉक कमेटी के सदस्य जिला कलेक्टर तक पहुंचे और सात दिन से जारी तालाबंदी हटाने की मांग की। दिनभर चली प्रशासनिक कवायद, मौके के मुआयने और निर्देशों के बावजूद मैनेजमेंट कार्यालय के ताले नहीं खुले, जिससे संस्थान में कामकाज पूरी तरह ठप है। एडहॉक कमेटी के सदस्य एडवोकेट नरेंद्र सिंह कच्छावा ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि संस्था में एक्सटर्नल ऑडिट करवाना जरूरी है और कई सदस्य इसके पक्ष में हैं, लेकिन पूर्व कार्यकारिणी अनावश्यक गतिरोध पैदा कर रही है। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार गिर्वा और रजिस्ट्रार कार्यालय से मौके का मुआयना करवाया तथा दोनों पक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कानून हाथ में नहीं लिया जाए और शांतिपूर्ण समाधान निकाला जाए। इसके बावजूद शाम तक स्थिति जस की तस बनी रही।

धरना जारी, मगर कब निकलेगा समाधान

इस बीच, 15 अप्रैल से लगातार एडहॉक कमेटी के सदस्य रोजाना सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संस्थान के मुख्य द्वार के बाहर बैठकर कार्यभार संभालने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन कार्यालय में प्रवेश नहीं मिल पा रहा। कमेटी का आरोप है कि पूर्व कार्यकारिणी के प्रभाव में न सिर्फ ताले लगाए गए हैं, बल्कि स्टाफ पर भी दबाव बनाया जा रहा है। यहां तक कि जहां सामान्यतः दोपहर 3 बजे छुट्टी होती है, फार्मेसी में कर्मचारियों को शाम साढ़े 5 बजे तक रोके रखा जा रहा है। दबाव में काम कर रहे थानाधिकारी आदर्श कुमार विवाद के बीच कानून-व्यवस्था का मुद्दा भी उभरकर सामने आया है। एडहॉक कमेटी ने आरोप लगाया कि 15 अप्रैल को भैरूसिंह निम्बाहेड़ा और सुरेंद्र सिंह आगरिया द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया, जिसके संबंध में भूपालपुरा थाने में शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कमेटी ने थानाधिकारी आदर्श कुमार पर भी दबाव में काम करने का आरोप लगाया है। वहीं, "महाराणा के खिलाफ बोले गए शब्दों" को लेकर कुछ संगठनों के मैदान में उतरने की तैयारी के संकेत भी मिल रहे हैं, जिससे विवाद और बढ़ सकता है।

व्यवस्थाओं पर हुआ असर

तालाबंदी का सीधा असर संस्था की शैक्षणिक गतिविधियों पर पड़ रहा है। बी.एन. विश्वविद्यालय सहित सभा की अन्य इकाइयों में प्रशासनिक कामकाज प्रभावित है। परीक्षाएं जारी हैं, लेकिन समन्वय और व्यवस्थाएं बाधित हो रही हैं। प्रवेश प्रक्रिया भी प्रभावित होने लगी है, जिससे छात्रों और अभिभावकों में चिंता का माहौल है।

यह है विवाद की पृष्ठभूमि

यदि इस विवाद की पृष्ठभूमि पर नजर डालें तो 12 अप्रैल 2026 को सभा के प्रधान संरक्षक एवं अध्यक्ष विश्वराज सिंह मेवाड़ ने 11 सदस्यीय एडहॉक कमेटी का गठन किया था। इसके अगले दिन 13 अप्रैल को कमेटी के चेयरपर्सन युवराज सिंह झाला ने पूर्व कार्यकारिणी के समक्ष आदेश की मूल प्रति प्रस्तुत कर कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया की। उसी दिन जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय ने पुलिस अधीक्षक को एडहॉक कमेटी को सहयोग देने के निर्देश भी जारी किए थे। हालांकि 15 अप्रैल को कमेटी कार्यभार संभालने पहुंची, तो मैनेजमेंट कार्यालय और रजिस्ट्रार कार्यालय पर ताले लगे मिले, जिसके बाद से यह गतिरोध लगातार जारी है। एडहॉक कमेटी का कहना है कि पूर्व कार्यकारिणी का कार्यकाल 12 फरवरी को समाप्त हो चुका है, इसके बावजूद बिना वैध अधिकार के कार्यालय पर कब्जा बनाए रखा गया है। दूसरी ओर, पूर्व सचिव महेन्द्र सिंह आगरिया ने राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर में एसबी सिविल रिट पिटिशन संख्या 8342/2026 दायर की है, जिस पर 27 अप्रैल को सुनवाई प्रस्तावित है।

विवाद की जड़ में एक्सटर्नल ऑडिट

विवाद की जड़ में एक्सटर्नल ऑडिट को भी माना जा रहा है। 5 मार्च 2026 से सीए टी.आर. अग्रवाल के नेतृत्व में ऑडिट शुरू किया गया था, लेकिन एडहॉक कमेटी का आरोप है कि पूर्व कार्यकारिणी, विशेषकर महेन्द्र आगरिया ने इसमें सहयोग नहीं किया और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। 30 मार्च को अध्यक्ष की ओर से निर्देश दिए जाने के बावजूद स्थिति नहीं सुधरी, जिसके बाद 13 अप्रैल को ऑडिटर की अंतरिम रिपोर्ट में असहयोग और संभावित अनियमितताओं का उल्लेख किया गया।

ज्ञापन देने वालों में ये थे शामिल

पूर्व कार्यकारिणी पक्ष से उपाध्यक्ष दरियाव सिंह चुण्डावत, पूर्व कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र सिंह पीपलान्तरी सहित कई सदस्य सक्रिय हैं। इनके साथ सभा और ओल्ड बॉयज एसोसिएशन से जुड़े प्रदीप सिंह तलावड़ा, भैरूसिंह ज्ञानधर, ललित सिंह झाला (गोगुंदा), नकुल सिंह मुरोली, विजेंद्र सिंह चुण्डावत, मोती सिंह गोगुंदा, भवानी सिंह ताणा, तनवीर सिंह कृष्णावत, प्रेम सिंह मदारा, अचल सिंह देसूरी, दिलीप सिंह लूणदा, देवेंद्र सिंह पीपलाज, गणपत सिंह नारेला, योगेंद्र सिंह रलावता, रघुवीर सिंह गामड़ा, महिपाल सिंह सुरावत, नरपत सिंह ओछड़ी सहित अन्य सदस्य भी सक्रिय भूमिका में बताए जा रहे हैं।

पहाड़ी से टकराया ट्रक, लगी भीषण आग; पोषाहार जलकर राख, ड्राइवर की जान बची

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले में बुधवार दोपहर उदयपुर-ईडर नेशनल हाईवे 58-ई पर एक भीषण सड़क हादसे में तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पहाड़ी से जा टकराया और कुछ ही मिनटों में आग का गोला बन गया। हादसा बाघपुरा थाना क्षेत्र के रणघाटी इलाके में हुआ, जहां ट्रक में सवार चालक की जान तो बच गई, लेकिन वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक अचानक बेकाबू होकर सड़क किनारे पहाड़ी से टकराया, जिससे उसका केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के तुरंत बाद केबिन में शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया और लपटें ऊंची उठने लगीं। हादसे के समय चालक केबिन में ही फंसा हुआ था। मौके से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों और स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए उसे बाहर निकाला और तुरंत एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। घायल चालक का इलाज जारी है। ट्रक में आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए सप्लाई किया जाने वाला पोषाहार भरा हुआ था, जो आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गया। बताया जा रहा है कि आग इतनी तेज थी कि ट्रक में रखा कोई भी सामान सुरक्षित नहीं बच सका। घटना के बाद रणघाटी जैसे संकरे पहाड़ी मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटों को देखकर दोनों ओर से आ रहे वाहन रुक गए, जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर बाघपुरा थानाधिकारी वेलाराम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सुरक्षा के मद्देनजर ट्रैफिक रुकवाया। उदयपुर शहर से दूरी अधिक होने के कारण फायर ब्रिगेड को मौके पर पहुंचने में करीब एक घंटा लग गया। तब तक ट्रक पूरी तरह जल चुका था। बाद में पुलिस ने क्रेन की सहायता से जले हुए ट्रक को सड़क किनारे हटाकर यातायात को सुचारू किया। पुलिस अब हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्राथमिक तौर पर शॉर्ट सर्किट और ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है। साथ ही ट्रक मालिक और संबंधित विभाग से भी संपर्क किया जा रहा है।

कोई वस्तु बेकार नहीं होती, कलात्मक उपयोग ही असली कला: डॉ. दलवी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर में रचनात्मक पहल: सात दिवसीय वेस्ट टू वेल्थ (पेपरमैशी) कार्यशाला शुरू

उदयपुर, 22 अप्रेल। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत सात दिवसीय वेस्ट टू वेल्थ (पेपरमैशी) कार्यशाला का शुभारंभ शिल्पग्राम में बुधवार को हुआ। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक डॉ. अश्विन एम. दलवी ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा 16 से 30 अप्रेल के अंतर्गत 28 अप्रेल तक सात दिवसीय वेस्ट टू वेल्थ (पेपरमैशी) कार्यशाला शिल्पग्राम परिसर में आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला के विशेषज्ञ कोटा के रामदेव मीणा द्वारा पेपरमेशी की बारीकियां बताई जाएगी। जिसमें कागज को गलाना, मुलतानी मिट्टी आदि से मसाला तैयार करना, तैयार लुगदी से विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां बनाना आदि बताया जाएगा। इस कार्यशाला में करीब 20 प्रतिभागी भाग ले रहे है। डॉ. दलवी ने अपने उद्बोधन में कार्यशाला की प्रस्तावना के साथ उसके मूल उद्देश्य "हेतु" पर विशेष जोर दिया। उनका मानना है कि कोई भी वस्तु बेकार नहीं होती, बल्कि उसे किस प्रकार उपयोगी बनाया जाए, यह हमारी सोच और आदतों पर निर्भर करता है। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि किसी भी वस्तु का उसके अंतिम समय तक उपयोग करना हमारे संस्कारों में शामिल रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य केवल वस्तुओं का उपयोग करना नहीं, बल्कि उन्हें कलात्मक और उपयोगी रूप में पुनः प्रस्तुत करना है। यानी, साधारण वस्तुओं को रचनात्मकता के माध्यम से उपयोगी और सुंदर बनाना ही इस पहल का हेतु है। डॉ. दलवी ने जोर देकर कहा कि उपयोग की यह भावना हमारे संस्कारों में और गहराई तक समाहित होनी चाहिए। अंत में उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रतिभागी यहां सीखी गई विभिन्न कलाओं को आगे भी अपनाएंगे और उनका व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे, ताकि यह संस्कार समाज में और अधिक विकसित हो सके। इस अवसर पर केन्द्र के उपनिदेशक (कार्यक्रम) पवन अमरावत, सहायक निदेशक (वित्तीय एवं लेखा) दुर्गेश चांदवानी, अधीक्षण अभियंता सी. एल. सालवी, कार्यक्रम अधिशाषी हेमंत मेहता, राकेश मेहता आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सिद्धांत भटनागर ने किया।

उदयपुर में मां बगलामुखी जयंती पर दो दिवसीय अनुष्ठान कल से, सुंदरकांड से होगी शुरुआत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मां बगलामुखी जयंती के अवसर पर दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन 23 व 24 अप्रैल को श्रद्धा और भक्ति भाव से किया जाएगा। भूपालपुरा क्षेत्र में गट्टाणी हॉस्पिटल के सामने गली स्थित प्लॉट नंबर 410 के स्थानक परिसर में गुरुवार सायंकाल से कार्यक्रम शुरू होंगे, जो शुक्रवार शाम विशेष आरती के साथ सम्पन्न होंगे। मां बगलामुखी सेवक एवं साधक संजय उपाध्याय ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी मां का प्राकट्य उत्सव मनाया जा रहा है, जिसमें शहरवासियों के साथ बाहरी राज्यों से भी भक्त शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि जो श्रद्धालु मां बगलामुखी की पूजा-पद्धति से परिचित नहीं हैं, वे भी इस आयोजन में शामिल होकर सेवा एवं साधना का लाभ ले सकते हैं। कार्यक्रम के अनुसार, गुरुवार को शाम 5 से 7 बजे तक सुंदरकांड पाठ से अनुष्ठान की शुरुआत होगी। शुक्रवार को सुबह मां बगलामुखी के लिए लाए गए नए सिंहासन का शुद्धिकरण और अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद मां का विशेष अभिषेक एवं श्रृंगार कर उन्हें नए सिंहासन पर विराजित किया जाएगा। साथ ही भगवान शिव का अभिषेक एवं भोग अर्पित किया जाएगा। आगे चलकर मां बगलामुखी का हल्दी अभिषेक एवं चंडीपाठ आयोजित होगा। सायंकाल हवन अनुष्ठान में भक्तगण भाग लेंगे और शाम 7 बजे विशेष आरती के साथ दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन होगा। आयोजकों के अनुसार, इस आयोजन में जोधपुर, जयपुर, अहमदाबाद, सिद्धपुर और मुंबई से भी भक्तों के पहुंचने की संभावना है। स्थानीय श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर धार्मिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

कृष्ण-सुदामा की मित्रता का संदेश, भागवत कथा के समापन पर भावुक हुए श्रद्धालु

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फतेहपुरा-बेदला रोड स्थित मंगल श्री गार्डन में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन भावुक माहौल में हुआ, जहां श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे नजर आए। कथा के अंतिम दिन व्यासपीठ से लालसोट के आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री ने कृष्ण-सुदामा की मित्रता का मार्मिक वर्णन करते हुए वर्तमान समय की मित्रता पर कटाक्ष किया और कहा कि "आज के युग में सच्ची मित्रता दुर्लभ हो गई है, जहां मित्र ही मित्र को धोखा दे रहा है, वहीं हमें कृष्ण-सुदामा जैसी निस्वार्थ मित्रता से सीख लेने की आवश्यकता है।" आचार्य शास्त्री ने कथा के दौरान गांगाणी परिवार की अटूट श्रद्धा और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि "ऐसा प्रेम और एकजुटता हर किसी के नसीब में नहीं होती।" उन्होंने सातों दिन की कथा का सार प्रस्तुत करते हुए बताया कि श्रीमद्भागवत श्रवण से व्यक्ति के पापों का क्षय होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कथा के दौरान कृष्ण-सुदामा प्रसंग की सुंदर झांकी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

शिकायत पर भ्रष्ट सरकारी तंत्र नहीं माना, कोर्ट गए तो खुला रैकेट, 18 फर्जी डिग्रीधारी PTI बर्खास्त

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में सरकारी स्कूलों में कार्यरत 18 शारीरिक शिक्षकों (PTI) को डिग्री मिसमैच के चलते बर्खास्त कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी जयदीप पुरोहित ने आदेश जारी कर सभी संबंधित शिक्षकों की सेवाएं समाप्त कर दीं। यह कार्रवाई ग्रेड-थर्ड पीटीआई भर्ती-2022 से जुड़े दस्तावेज सत्यापन में गड़बड़ी सामने आने के बाद की गई है। जांच में सामने आया कि इन अभ्यर्थियों ने आवेदन के समय जो शैक्षणिक योग्यता प्रस्तुत की थी, वह बाद में जमा कराए गए दस्तावेजों से मेल नहीं खा रही थी। शिक्षा निदेशालय से प्रदेशभर के 35 संदिग्ध पीटीआई की सूची भेजी गई थी, जिनमें से 19 बांसवाड़ा जिले के थे। इनमें से एक मामले को विस्तृत जांच के लिए उदयपुर संयुक्त निदेशक कार्यालय भेजा गया है, जबकि शेष 18 के खिलाफ कार्रवाई पूरी कर ली गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने मीडिया को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने संबंधित अभ्यर्थियों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया था। लेकिन सुनवाई के दौरान वे संतोषजनक जवाब और प्रमाणित दस्तावेज पेश नहीं कर सके। इसके बाद उनकी पात्रता निरस्त करते हुए शिक्षा निदेशक ने बर्खास्तगी के निर्देश जारी किए।

जिले के अलग-अलग स्कूलों में थे तैनात

बर्खास्त किए गए शिक्षक सज्जनगढ़, गांगड़तलाई, बागीदौरा और आनंदपुरी क्षेत्र के विभिन्न सरकारी स्कूलों में कार्यरत थे। निदेशालय से 17 अप्रैल को आदेश मिलने के बाद दो दिन के भीतर सभी स्कूलों के प्रिंसिपलों को बुलाकर कार्रवाई पूरी कर ली गई।

हाईकोर्ट के निर्देश पर हुई जांच

प्रारंभिक जांच में ही गड़बड़ी सामने आने के बाद अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अदालत के निर्देश पर तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई, जिसने पुनः जांच में भी डिग्री मिसमैच की पुष्टि की। इसके बाद बर्खास्तगी का अंतिम आदेश जारी हुआ।

भर्ती प्रक्रिया पर पहले भी उठ चुके हैं सवाल गौरतलब है कि वर्ष 2022 में 5546 पदों पर पीटीआई भर्ती निकाली गई थी। दस्तावेज सत्यापन के दौरान बड़ी संख्या में फर्जी और मिसमैच डिग्रियां सामने आई थीं। मामले की जांच कर रही एसओजी ने 165 से अधिक अभ्यर्थियों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के केस दर्ज किए थे। इससे पहले भी 134 से ज्यादा शिक्षकों को सेवा से हटाया जा चुका है।

प्रतापनगर में ड्यूटी तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी के साथ भारत टूरिस्ट एंड ट्रावेल्स बस ड्राइवर ने की मारपीट

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। प्रार्थी मनोहर सिंह (54) ने पुलिस रिपोर्ट में बताया कि एक टूरिस्ट बस चालक ने मारपीट कर सरकारी कार्य में बाधा डाली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक श्री चंदनसिंह कर रहे है।। सिंह ने बताया कि भारत टूरिस्ट एंड ट्रावेल्स की बस लेकर आ रहे सुभाष नाम के ड्राइवर को बस रोकने का इशारा किया गया तो वह कहासुनी पर उतर आया। वह पह प्रतापनगर चौराहे से रेती स्टेण्ड सेवाश्रम होकर जाना चाह रहा था। जबकि नियमानुसार बाहर के भारी वाहन एकलिंगपुरा से होकर जाते हैं।यातायात हैड श्री मनोहरसिंह ने टोंका तो कहासुनी के बाद हाथापाई पर उतर आया। बस में बिठा कर साथ ले गया व हाथापाई की। आपको बता दें कि प्रतापनगर से अभी स्लिपर टूरिस्ट टावेल्स का जो बाहर की हैं, उनका सुबह 8 बजे से रात को 10 बजे से पहले तक प्रवेश निषेध है। बाहर से आने वाली टूरिस्ट बसों की एंटरी अब पुलिस ने एकलिंगपुरा से कर दी है जो रास्ता सीधा रेती सटेण्ड निकलता हैं।

फतहनगरः मकान से नकदी और जेवर चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फतहनगर थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। प्रार्थी अशोक सोनी (48) ने बताया कि उनके घर से करीब 1 लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवर चोरी हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच सउनि पुलिस कालूलाल कर रहे हैं।

बड़गांवः घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बड़गांव थाना क्षेत्र के चिकलवास गांव में घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। प्रार्थी जगदीश पुत्र सोहनलाल सुहालका (52) ने बताया कि उनकी बाइक RJ 27 LS 0352 घर के बाहर खड़ी थी, जिसे अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मामले की जांच महेन्द्र कुमार कर रहे हैं।

12 साल से फरार 50 हजार का इनामी 'ट्रैक्टर तस्करी सिंडीकेट' का सरगना दबोचा, शादी में घेराबंदी कर CID-CB की बड़ी कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

जयपुर/मथुरा। संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सीआईडी (सीबी) पुलिस मुख्यालय की स्पेशल टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 12 वर्षों से फरार 50 हजार रुपये के इनामी और अंतर्राज्यीय ट्रैक्टर तस्करी सिंडीकेट के सरगना को गिरफ्तार कर लिया। राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित कई राज्यों में वांछित यह कुख्यात आरोपी पुलिस की पकड़ से लगातार बचता रहा, लेकिन इस बार शादी समारोह में पहुंचना उसके लिए गिरफ्तारी का कारण बन गया। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (अपराध) विपिन कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। महानिरीक्षक परम ज्योति के सुपरविजन में उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले से आरोपी आबिद मेवाती पुत्र खुशीला, निवासी जंगली का नगला (बरसाना) को दस्तयाब किया। सूत्रों के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लंबे समय से फरार आरोपी आबिद खान मेवाती मथुरा में अपने दोस्त की बहन की शादी में शामिल होने आने वाला है। सूचना को तकनीकी आधार पर विकसित कर टीम ने बूंदी पुलिस और स्थानीय पुलिस के सहयोग से कुसुम वाटिका, मथुरा में घेराबंदी की। जैसे ही आरोपी अपने साथियों के साथ विवाह स्थल पर पहुंचा, पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया।

गिरफ्तारी के दौरान मौके पर मौजूद भीड़ ने आरोपी को छुड़ाने का प्रयास भी किया, लेकिन पुलिस टीम ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए उसे सुरक्षित बाहर निकालकर थाना हाईवे, मथुरा पहुंचाया, जहां से आगे की कार्रवाई के लिए उसे बूंदी पुलिस टीम को सौंप दिया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी आबिद मेवाती एक बड़े अंतर्राज्यीय वाहन तस्करी नेटवर्क का सरगना है। वह अपने गिरोह के साथ मिलकर विभिन्न राज्यों में ट्रैक्टरों को लोन पर खरीदता, फिर फर्जी बेचाननामा तैयार कर उन्हें ट्रकों में लोड कर उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के छाता क्षेत्र में पहुंचाता था। वहां इन वाहनों की अवैध खरीद-फरोख्त का नेटवर्क संचालित किया जाता था। आरोपी 2012 से इस अवैध धंधे में सक्रिय था और अब तक करीब 1500 से 2000 ट्रैक्टरों की अवैध बिक्री कर चुका है, जिससे प्रत्येक वाहन पर लगभग 2 लाख रुपये का मुनाफा कमाया जाता था। इस संगठित गिरोह की कार्यप्रणाली में वाहन मालिक खुद ट्रैक्टर बेचने के बाद उसी वाहन की चोरी की झूठी रिपोर्ट दर्ज करवाकर फाइनेंस कंपनियों से क्लेम भी उठाते थे। आरोपी का पिता खुशीला और उसका भाई भी इस नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

आरोपी के खिलाफ राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में हत्या के प्रयास, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट और धोखाधड़ी सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्षों से फरार चल रहा यह आरोपी कई बार पहले भी गिरफ्तार हो चुका है, लेकिन हर बार जमानत के बाद फिर अपराध में सक्रिय हो जाता था। इस पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल बृजेश शर्मा, करणी सिंह, रविंद्र सिंह, कृष्णगोपाल, अरुण कुमार, कुलदीप, नरेश कुमार सहित एएसआई शंकर दयाल शर्मा, हेड कांस्टेबल रामअवतार और कांस्टेबल सोहनदेव का तकनीकी सहयोग रहा। वहीं बूंदी जिले से एसएचओ तालेड़ा अरविंद भारद्वाज, हेड कांस्टेबल रणजीत गठाला, एसएचओ केशवरायपाटन भूपेंद्र, उपनिरीक्षक बालकिशन, हेड कांस्टेबल परसराम और कांस्टेबल धर्मराज ने भी कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई। आपको बता दें कि सालों से राज्यों की सीमाओं को ढाल बनाकर सक्रिय ऐसे संगठित अपराध नेटवर्क पुलिस के लिए बड़ी चुनौती रहे हैं। इस कार्रवाई ने न केवल एक बड़े सिंडीकेट का पर्दाफाश किया है, बल्कि यह भी साबित किया है कि लगातार खुफिया निगरानी और समन्वय से ऐसे नेटवर्क को तोड़ा जा सकता है।

बांदरसिंदरी पुलिस ने दिल्ली में मजदूर बन 18 साल से फरार 10 हजार के इनामी शराब तस्कर को दबोचा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 22 अप्रैल। राजस्थान पुलिस ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। अजमेर जिले की बांदरसिंदरी थाना पुलिस ने साल 2009 से फरार चल रहे 10,000 के इनामी शराब तस्कर दिनेश सिंह उर्फ दिनेश कुमार जाट 52 निवासी गांव व थाना छाँवला जिला द्वारका नई दिल्ली को छावला इलाके से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। 18 साल तक पुलिस की आंखों में धूल झोंकने वाला यह आरोपी एक रसूखदार राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखता है।

पुलिस अधीक्षक श्री हर्ष वर्धन अग्रवाला के कुशल निर्देशन और एएसपी ग्रामीण श्री दीपक कुमार व वृत्ताधिकारी श्री आयुष वशिष्ठ के सुपरविजन में इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया।

एसपी अग्रवाला ने बताया कि यह मामला 2 जनवरी 2009 का है, जब बांदरसिंदरी पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान हरियाणा नंबर के एक संदिग्ध ट्रक को रुकवाने का प्रयास किया था। उस वक्त ट्रक चालक और खलासी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने जब ट्रक की तलाशी ली, तो उसमें 856 पेटियां अंग्रेजी शराब की बरामद हुई थीं। इस मामले में ट्रक मालिक दिनेश सिंह निवासी दिल्ली के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया, लेकिन वह तब से ही फरार चल रहा था। न्यायालय ने उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया था और हाल ही में पुलिस अधीक्षक अजमेर द्वारा उस पर 10,000 का इनाम घोषित किया गया था।

मजदूर बन फार्म हाउस में घुसी पुलिस की टीम

थानाधिकारी दयाराम चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम के लिए आरोपी को पकड़ना एक बड़ी चुनौती थी। जब टीम दिल्ली के छावला पहुंची तो पता चला कि आरोपी का भाई एक राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी का पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष और विधायक प्रत्याशी रह चुका है, जिसके दबदबे के कारण ग्रामीण कोई जानकारी देने को तैयार नहीं थे।

टीम ने हार नहीं मानी और छद्म रूप धारण कर आरोपी का नंबर हासिल किया। पुलिस ने वीडियो कॉल के जरिए आरोपी की पहचान सुनिश्चित की। जब सूचना मिली कि आरोपी गांव के बाहर एक निर्माणाधीन फार्म हाउस में छिपकर रहता है, तो पुलिस टीम के सदस्य स्वयं मजदूर बनकर फार्म हाउस में निर्माण कार्य करने लगे। कई दिनों तक रेकी करने के बाद 21 अप्रैल 2026 की सुबह जैसे ही दिनेश सिंह मजदूरों को संभालने आया, पहले से अंदर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया।

वर्तमान में आरोपी दिनेश सिंह से अवैध शराब तस्करी और इसमें प्रयुक्त वाहन के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। 18 साल पुराने इस मामले में पुलिस की इस सूझबूझ भरी कार्रवाई की चारों ओर प्रशंसा हो रही है।

टीम में एसएचओ दयाराम चौधरी पुलिस निरीक्षक सहित एएसआई रामस्वरूप, कांस्टेबल राजू लाल, अनिल कुमार, सीताराम और सत्येंद्र कुमार शामिल थे।

CRIME NEWS

कुएं में गिरने से 17 वर्षीय युवती की मौत, सिविल डिफेंस टीम ने निकाला शव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के बड़गांव थाना क्षेत्र के गोडान कला गांव में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 17 वर्षीय युवती की कुएं में गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, बुधवार करीब 3 बजे सूचना मिली कि गोडान कला गांव में एक युवती अपनी दादी के साथ बकरियां चरा रही थी। इसी दौरान प्यास लगने पर वह पास ही स्थित एक कुएं से पानी निकालने लगी। पानी भरते समय संतुलन बिगड़ने से वह अचानक कुएं में जा गिरी। यह दृश्य देखकर साथ मौजूद दादी ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने युवती को निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर बड़गांव थाने को सूचना दी गई। सूचना पर थाना पुलिस ने नागरिक सुरक्षा विभाग (सिविल डिफेंस) को बुलाया। उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा विभाग उदयपुर दीपेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देश पर तत्काल डी.क्यू. आर.टी. (डिजास्टर क्विक रिस्पांस टीम) का गठन कर मौके पर रवाना किया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर महज 10 मिनट में कुएं में खोजबीन कर शव को बाहर निकाल लिया और पुलिस को सुपुर्द कर दिया। मृतका की पहचान पुष्पा गमेती (17) पुत्री भूरालाल गमेती, निवासी गोडान कला के रूप में हुई है। रेस्क्यू ऑपरेशन में गोताखोर विजय नकवाल, नरेश चौधरी, कैलाश मेनारिया, भवानी शंकर वाल्मीकि, सचिन कंडारा सहित वाहन चालक प्रकाश राठौड़ और वरिष्ठ सहायक गोविंद जगरवाल शामिल रहे।

झाड़ोल पुलिस की कार्रवाईः मारपीट व लूट के मामले में 2 साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के झाड़ोल थाना पुलिस ने मारपीट और लूट के एक मामले में दो साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खेरवाड़ा) अंजना सुखवाल एवं वृताधिकारी झाड़ोल विवेक सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी फेलीराम मीणा ने अपनी टीम के साथ आसूचना एवं तकनीकी सहयोग के आधार पर आरोपी को पकड़ा। पुलिस के अनुसार, अतिरिक्त सत्र न्यायालय (महिला उत्पीड़न कोर्ट) उदयपुर में दर्ज प्रकरण संख्या 56/2018 (थाना प्रकरण संख्या 42/2018) धारा 341, 342, 323, 325, 394, 397 भादंस के तहत स्थायी वारंटी मांगीलाल (28) पुत्र अम्बावा, निवासी चतरपुरा थाना झाड़ोल, जिला उदयपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पिछले दो वर्षों से फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा (जेसी) में भेज दिया गया है।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीमः
फेलीराम मीणा, थानाधिकारी झाड़ोल
सतीश चंद्र, सहायक
उपनिरीक्षक (विशेष भूमिका)
दिनेश कुमार, सहायक उपनिरीक्षक
जितेंद्र गवारिया, कांस्टेबल
यशवंत सिंह, कांस्टेबल
जीवन सिंह, कांस्टेबल

घर से बुजुर्ग महिला का किडनैप, लाखों की ज्वेलरी लूटी

24 न्यूज अपडेट

अलवर में बुजुर्ग महिला का किडनैप और लूट का मामला सामने आया है। आधी रात को कार में आए बदमाशों ने बुजुर्ग के साथ मारपीट भी की। इसके बाद उसे जंगल में फेंककर फरार हो गए।

बुजुर्ग ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसकी 8 लाख रुपए की ज्वेलरी ले गए। घटना मालाखेड़ा थाना क्षेत्र के हरिपुरा गांव की मंगलवार देर रात एक बजे की है।

एमबी हॉस्पिटल में पत्नी की मौत के बाद सरिया लेकर पीछे दौड़ा पति। रेजिडेंट डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ बाल-बाल बचे, CCTV में कैद हुई पूरी घटना

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के महाराणा भूपाल हॉस्पिटल में सोमवार देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब मरीज की मौत के बाद परिजन उग्र हो गए। घटना रात करीब 12:30 बजे मेडिकल इमरजेंसी ICU की है, जहां अजमेर निवासी 20 वर्षीय आफरीन बानो का इलाज चल रहा था।

आफरीन बानो गुलन बैरी सिंड्रोम से पीड़ित थी और 8 अप्रैल से वेंटिलेटर पर थी। सोमवार शाम से उसकी हालत नाजुक बनी हुई थी। ड्यूटी पर तैनात डॉ. ज्योति चौधरी, डॉ. आदित्य और डॉ. नरेन्द्र ने उसे CPR देकर एक बार रिवाइव भी किया। बाद में रात 11 बजे डॉ. हंसराज ने इलाज की जिम्मेदारी संभाली, लेकिन आधी रात के बाद मरीज की हालत फिर बिगड़ गई और अंततः उसे मृत घोषित कर दिया गया।

मौत की सूचना मिलते ही पति फारुक ने आपा खो दिया। गुस्से में उसने सरिया उठाकर ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि, मौके पर मौजूद स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों ने समय रहते उसे रोक लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही हाथीपोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जिसमें हमले की कोशिश साफ दिखाई दे रही है। आरएपनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राहुल जैन देर रात अस्पताल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। वहीं, पीड़ित डॉ. हंसराज ने अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.एल. सुमन को लिखित शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उदयपुर रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दीपेन्द्र सेवदा ने 24 न्यूज अपडेट से कहा कि डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ मरीजों की दिन-रात सेवा कर रहे हैं मगर इस तरह की घटनाएं मनोबल तोड़ने वाली हैं। अस्पताल परिसर में 24 घंटे पुलिस गश्त और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा जांच के बाद ही प्रवेश दिया जाना चाहिए। हड़ताल के आहवान की कुछ सूचनाओं पर उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यापक जनहित को देखते हुए एसोसिएशन ने ऐसा कोई आहवान नहीं किया है।

दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक संपन्न, बीएसएनएल के टावर विस्तार पर जोर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के सभागार में दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक सांसद उदयपुर डॉ. मन्नालाल रावत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई। प्रधान महाप्रबंधक हरिप्रसाद मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि उदयपुर में 4G सैचुरेशन प्रोजेक्ट के तहत 294 मोबाइल टावर लगाने के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 244 टावर चालू किए जा चुके हैं, जबकि 156 नए टावर लगाने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार ऋषभदेव क्षेत्र के कलियाबावसी, बगदड़ा; छाली, बड़ूंदिया, कुरदाऊ; माजवाद, वरड़ा तथा बड़गांव ग्राम पंचायतों में मोबाइल टावर चालू कर दिए गए हैं। इसके अलावा खाटी बोर, तुला (कठार), हर्षावाड़ा और पोपल्टी ग्राम पंचायत में नए टावर प्रस्तावित किए गए हैं, जबकि कुंडाल (उबेश्वर) में प्रस्ताव को संबंधित विभाग को अनुमोदन हेतु भेजा गया है। चित्तौड़गढ़ के सांसद सी.पी. जोशी के निर्देशानुसार कुराबड़ ब्लॉक के अंबातलाई, सुलावास, बंबोरा, कुराबड़, वली, बेला, दांतीसर, वसु, जगत और परतल में कुल 10 मोबाइल टावर स्थापित कर चालू कर दिए गए हैं। इसी प्रोजेक्ट के तहत कुराबड़ ब्लॉक में कैटेगरी-6 के अंतर्गत 28 नए टावर प्रस्तावित हैं, जिनके लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया जारी है। अध्यक्षीय उद्बोधन में सांसद मन्नालाल रावत ने कहा कि सभी नेशनल हाईवे और रेलवे लाइनों को बीएसएनएल कवरेज में लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। साथ ही भारतनेट प्रोजेक्ट के तहत नवगठित ग्राम पंचायतों को भी कनेक्टिविटी प्रदान की जाए। राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने नव मनोनीत समिति सदस्यों को बधाई दी। समिति के सदस्य मनोज कपूर, तिलक बागोरा, अर्चना शर्मा, नाहर सिंह देवड़ा, सपना कुर्डिया, जयशंकर राय, चंचल कुमार अग्रवाल, अंकित दोषी, राहुल मेघवाल और सरदार सिंह कटारा ने भी महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए बीएसएनएल उत्पादों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। बैठक में सभी सदस्यों ने प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत बीएसएनएल द्वारा अपनाई जा रही स्वदेशी 4G तकनीक की सराहना की और इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान बीएसएनएल के प्रधान महाप्रबंधक हरिप्रसाद मीणा, उप महाप्रबंधक सुरेश कुमार सोलंकी, बांसवाड़ा के प्रभारी अधिकारी सुमित जोशी, सिरोही के प्रभारी अधिकारी संजय शाह तथा आंतरिक वित्त सलाहकार भरत दशोरा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक का संचालन आशीष सालवी और गिरीराज पालीवाल ने किया।

एक नंबर की दो गाड़ियां! एक घर में खड़ी, दूसरी एसपी ओफिस के बाहर, गोगुंदा से भीलवाड़ा तक 'डुप्लीकेट कार' का खेल, पुलिस

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/भीलवाड़ा। नंबर प्लेट फर्जीवाड़े का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पुलिस व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला उदयपुर जिले के गोगुंदा निवासी जयदीप सिंह झाला से जुड़ा है, जिनकी कार का रजिस्ट्रेशन नंबर RJ27 CK 2614 एक दूसरी संदिग्ध कार पर भी इस्तेमाल होता मिला—वह भी भीलवाड़ा में SP कार्यालय के बाहर। घटना 16 अप्रैल की दोपहर करीब 12:15 बजे की है, जब भीलवाड़ा ट्रैफिक शाखा में तैनात हेड कॉन्स्टेबल लेहरू लाल ने जयदीप सिंह को फोन कर उनकी कार को नो-पार्किंग से हटाने को कहा। इस पर जयदीप ने चौंकाते हुए जवाब दिया कि उनकी कार तो गोगुंदा स्थित घर की पार्किंग में खड़ी है। यहीं से खुलासा हुआ कि एक ही नंबर की दो कारें—एक गोगुंदा में और दूसरी भीलवाड़ा की सड़कों पर—दौड़ रही हैं। SP ऑफिस के बाहर खड़ी थी 'पुलिस' लिखी संदिग्ध कार जांच में सामने आया कि भीलवाड़ा SP कार्यालय के बाहर खड़ी कार टाटा अल्ट्रोज मॉडल की थी, जिस पर 'पुलिस' लिखा हुआ था। इतना ही नहीं, कार के अंदर सीट पर पुलिस की टोपी भी रखी हुई थी, जिससे मामला और ज्यादा गंभीर हो गया। हेड कॉन्स्टेबल लेहरू लाल ने नंबर ट्रेस कर मालिक को कॉल किया तो पूरा मामला सामने आया। इसी दौरान एक व्यक्ति पुलिस वर्दी में आया और खुद को कॉन्स्टेबल राजू बताते हुए कार लेकर वहां से निकल गया।

मालिक के होश उड़ गए, दोनों जिलों में शिकायत

घटनाक्रम से घबराए जयदीप सिंह झाला—जो हाल ही में MSc पास कर सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं—ने तुरंत 112 पर सूचना दी और गोगुंदा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। उन्होंने उदयपुर और भीलवाड़ा के SP सहित IG स्तर तक ईमेल के जरिए शिकायत भेजी है। जयदीप ने आशंका जताई है कि उनकी गाड़ी के नंबर का दुरुपयोग किसी बड़ी आपराधिक वारदात में किया जा सकता है।

फर्जीवाड़े के पीछे संगठित गिरोह?

मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि फर्जी कार न केवल असली जैसी दिख रही थी, बल्कि उस पर 'पुलिस' लिखकर उसे और भी विश्वसनीय बनाया गया था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि यह किसी संगठित गिरोह का काम हो सकता है, जो फर्जी नंबर प्लेट और पुलिस पहचान का इस्तेमाल कर रहा है।

जांच में जुटी पुलिस

गोगुंदा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई विनेश कुमार को जांच सौंपी गई है, जिन्होंने भीलवाड़ा ट्रैफिक पुलिस से संपर्क कर जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। वहीं, भीलवाड़ा में भी पुलिस पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में लगी हुई है।

थानाधिकारी का बयानः

गोगुंदा थानाधिकारी श्याम सिंह ने बताया—घटनाक्रम भीलवाड़ा में हुआ है, लेकिन यहां परिवाद लिया गया है। तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

श्री बिलोचिस्तान पंचायत करेगी प्रतिभावान छात्रों - खिलाड़ियों का सम्मान समारोह व बनाहेगी कामकाजी महिलाओ के लिए छात्रवास

24 न्यूज अपडेट

श्री बिलोचिस्तान पंचायत के अध्यक्ष नानक राम जी कस्तूरी ने बताया कि श्री बिलोचिस्तान पंचायत की कार्यकरणी की बैठक श्री सनातन धर्म मंदिर में आयोजित की गई इसमें यह तय किया गया कि बिलोचिस्तान पंचायत द्वारा समस्त सिंधी समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान करेगी जिन्होंने 10वीं 11वीं 12वीं में 80% से अंक ज्यादा प्राप्त करें,इसी तरह उदयपुर के सिंधी समाज में सभी बच्चों जिन्होंने खेल के रूप में समाज का प्रणाम रोशन किया है वह अन्य किसी खेल में राजस्थान की टीम में चयनित हुआ है क्या उससे भी ऊपर खेल में भाग लिया है तो उनका करेगी सम्मान मैं शादी-साधे ऐसे बच्चों का भी सम्मान करेगी जो हायर एजुकेशन मे डॉक्टर या इंजीनियर व CA व CS की डिग्री प्राप्त की हो L

किसी के साथ यह भी निर्णय लिया गया है बिलोचिस्तान पंचायत के महासचिव विजय आहूजा ने बताया की समाज के बच्चों के लिए जो खेल में आगे जाना जाते हैं और उन्हें किसी परेशानी की सामना न करना पड़े उनके भी सहयोग करेंगी वह समाज के बच्चों के लिए कई तरह की खेल की प्रतियोगिता का आयोजन भी करेगी L

पंचायत के उपाध्यक्ष मनोज कटारिया ने बताया पंचायत की बैठक में निर्णय Lकिया गया की पंचायत के पास बड़ी खाली जगह में समस्त समाज के लिए बाहर से आने वाली महिलाएं जो उदयपुर में नौकरी पर लगती है उनको 1 महीने से 2 महीने रहने के लिए कामकाजी महिला छात्रावास का भी निर्माण किया जाएगा जिससे बाहर से आने वाली महिला हो बच्चों के परिजनों को ठहरने की व्यवस्था हो सके और जिनके बच्चे उदयपुर में पढ़ाई करते हैं उनको भी ठहरने की व्यवस्था हो सके

पंचायत के उपाध्यक्ष गुरमुख कस्तूरी ने बताया कि बिलोचिस्तान पंचायत के श्री बिलोचिस्तान भवन (कम्युनिटी हाल) के रिनोवेशन एवं संपूर्ण हाल को AC बनाने का भी निर्णय लिया गया L

श्री सनातन धर्म सेवा समिति के हेमंत गखरेजा ने बताया की पंचायत द्वारा हाल ही में मनाया चेटीचंड उत्सव, सामूहिक दुख निवारण होली एवं भगवान से झूलेलाल के मंदिर में झंडारोहण उत्सव पर भी किए गए आयोजन पर विचार किया गया और उसके सफल आयोजन के लिए समस्त पंचायत के सदस्यों और सेवा समिति का धन्यवाद दिया गया L

बैठक का संचालन महासचिव विजय आहूजा एवं धन्यवाद ओमप्रकाश जी बजाज द्वारा दिया गया बैठक में अशोक गेरा,नरेंद्र तलरेजा,नरेंद्र खातूरिया, मोहन तलरेजा, दीपक बिलोची, प्रदीप अचपाल, मनीष टेमला प्रकाश फुलानी आदि उपस्थित है

उदयपुर में कालिका व टूरिस्ट पेट्रोलिंग टीम का आमुखीकरणः "महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता" - एसपी डॉ. अमृता दुहन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 अप्रैल। सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट और टूरिस्ट पेट्रोलिंग टीम का आमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम बुधवार को पुलिस लाइन सभागार, उदयपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन मुख्य अतिथि रहीं। यह आयोजन उदयपुर रेंज पुलिस और यूनिसेफ राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में "पुलिसिंग फॉर केयर ऑफ चिल्ड्रन" कार्यक्रम के तहत हुआ। अपने संबोधन में एसपी डॉ. अमृता दुहन ने स्पष्ट कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और अपराध को बढ़ावा देने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं। उन्होंने कालिका पेट्रोलिंग टीम की भूमिका को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों की रोकथाम और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए बेहद अहम बताया। साथ ही यूनिसेफ के सहयोग को सामुदायिक पुलिसिंग के लिए उपयोगी बताते हुए उसकी सराहना की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हर्ष रतनू ने पेट्रोलिंग के दौरान कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने, संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने और तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक पुलिसिंग में त्वरित प्रतिक्रिया और फील्ड इंटेलिजेंस का समन्वय जरूरी है। यूनिसेफ राजस्थान के बाल संरक्षण विशेषज्ञ डॉ. संजय कुमार निराला ने पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एसओपी और दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी देते हुए पीपीटी के माध्यम से महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े नवीन कानूनी प्रावधानों को समझाया। उन्होंने आधुनिक व सामुदायिक पुलिसिंग की रणनीतियों के साथ आपात परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में यूनिसेफ की राज्य स्तरीय बाल संरक्षण विशेषज्ञ श्रीमती सिंधु बिनुजीत ने आमुखीकरण के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखने और पुलिस के साथ मिलकर सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने की बात कही। कार्यक्रम की शुरुआत योग विशेषज्ञ राजू सिंह (सहायक उपनिरीक्षक) द्वारा ध्यान और योग सत्र से हुई, जिसमें प्रतिभागियों को तनाव प्रबंधन और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इसके अलावा 'डव' द्वारा तैयार किए गए वीडियो के माध्यम से भी प्रतिभागियों को उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर कालिका पेट्रोलिंग टीम और टूरिस्ट पेट्रोलिंग टीम के सदस्यों ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में पुलिस लाइन के आरआई गुलाब सिंह, आयोजन टीम के दिलीप सालवी सहित अन्य अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा और प्रकृति संरक्षण" विषय पर विज्ञान भारती, उदयपुर इकाई द्वारा व्याख्यान का आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में विज्ञान भारती, उदयपुर इकाई-चित्तौड़ प्रान्त द्वारा विवेकानंद हॉल, विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर में "भारतीय ज्ञान परंपरा और प्रकृति संरक्षण" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशिष्ट वक्ता डॉ. धर्मेंद्र सिंह, सह-प्रान्त प्रचारक, चित्तौड़ प्रान्त ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन के सह-अस्तित्व और संतुलन का आधार माना गया है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और सतत विकास के संदर्भ में प्राचीन भारतीय चिंतन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि धर्म आधारित जीवन शैली अपनाकर पेड़, पानी और प्लास्टिक के प्रति सजगता रखना आवश्यक है तथा पृथ्वी को भोग-विलास का साधन न मानकर अपने आचरण में संयम और उदारता लानी होगी। मुख्य वक्ता श्री शैतान सिंह देवड़ा (आईएफएस), डीएफओ उदयपुर ने कहा कि पृथ्वी संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जल-संरक्षण, वृक्षारोपण तथा प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर देते हुए 3R—रिड्यूस, रियूज एवं रिसाइकिल—को अपनाने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 की थीम "हमारा ग्रह, हमारी शक्ति" है और पृथ्वी के प्रति सदैव आदर एवं कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। विज्ञान भारती के मुख्य संरक्षक प्रो. एम.एल. कालरा ने कहा कि भारतीय विज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच समन्वय एवं संतुलन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत के योगदान को ध्यान में रखते हुए प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय प्रो. सी.पी. जैन ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रकृति संरक्षण हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है और इसे दैनिक जीवन की छोटी-छोटी आदतों में शामिल करना चाहिए, जिससे पृथ्वी संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। आयोजन सचिव डॉ. अमित कुमार गुप्ता, डॉ. लोकेश अग्रवाल एवं डॉ. हरीश ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय दृष्टिकोण में प्रकृति, पर्यावरण और जीवन के गहरे संबंध को रेखांकित करना था। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जया अरोरा द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. रमेश्वर अमेटा, डॉ. दिनेश हंस, डॉ. जितेंद्र राठौड़, डॉ. मोहन सिंह राठौड़ एवं एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री श्री रवि जी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।